और सर्वोच्च न्यायालय ने भी कई बार निर्देश दिया है, लेकिन अभी भी यह बदस्तूर जारी है।

मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि हम एक तरफ लोकनायक अस्पताल में इलाज करवा रहे हैं और दूसरी तरफ कूड़ों का अंबार लगा करके और हर रोज़ बच्चों द्वारा चुनी जा रही डिस्पोज़ेबल सिरेंजज़, रूई, गॉज़ और पट्टियों के द्वारा रोगों को फैला रहे हैं? इसलिए मैं आग्रह करना चाहता हूं कि निश्चित रूप से यहां से स्वास्थ्य मंत्री को भारत सरकार को निर्देश देना चाहिए कि हर रोज़ उस कूड़े को विनष्ट करना चाहिए जिससे कि आगे रोग न फैल सके। बहुत-बहुत धन्यवाद।

DR. ALLADI P. RAJKUMAR (Andhra Pradesh): Sir, kindly give me permission to speak for one minute because the hon. Minister is here. There is a lot of agitation going on in the State of Andhra Pradesh. Yesterday I requested... *(Interruptions)*,.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): No, no. I will give you permission. Kindly take your seat.

RE: KILLING OF LABOURERS IN ASSAM

श्री मतंग सिंह (असम): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आप के माध्यम से केन्द्र सरकार का ध्यान असम के कोकराझाड़ जिले में हुई 16 मुस्लिम लेबरर्स की हत्या की ओर दिलाना चाहूंगा।

पिछले सप्ताह असम के कोकराझाड़ जिले में 16 मुस्लिम लेबरर्स को किडनैप कर लिया गया। 11 तारीख को उन लोगों को किडनैप किया गया और 13 तारीख को हत्या कर दी गयी। पुलिस को 10 आदमियों की लाश कोकराझाड़ की एक नदी में मिली। महोदय, इस से पूर्व संथाली जाति के 100 लोगों की हत्या हो गयी। सैकड़ों घरों को आग लगा दी गयी। 25 हजार लोग घर से बेघर हो गए, लेकिन मुझे बहुत ही दुख और अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि यह केन्द्र सरकार न जाने किस कारण से चुप्पी साधे बैठी हुई है। इन 16 मुस्लिम लेबरर्स की हत्या के बावजूद न होम मिनिस्ट्री से किसी पदाधिकारी ने "स्पाट" का दौरा किया और न कोई केन्द्र का वरिष्ठ मंत्री ही "स्पाट" का दौरा करने गया। इसलिए मैं आप के माध्यम से केन्द्र सरकार से यह मांग करना चाहूंगा कि जो 16 मुस्लिम श्रमिक मारे गए हैं, उन के परिवार के रिहैबिलिटेशन के लिए मुआवजे के रूप में केन्द्र सरकार को दो-दो लाख रुपए की राशि देनी चाहिए। महोदय, सदन में गृह राज्य मंत्री उपस्थित है। मैं उन से जानना चाहूंगा कि क्या गृह मंत्रालय का कोई पदाधिकारी उक्त स्थानों का दौरा करेगा और क्या उन्हें इस बात की जानकारी है कि यह जो 16 मुस्लिम्स मारे गए हैं, जिन की हत्या की गयी है, उन्हें किडनैप किस ने किया? जो गरीब मजदूरी करने अपने गांव से शहर आए थे, उन की हत्या के पीछे किन ताकतों का हाथ है? क्या गृह मंत्रालय को इस की सूचना है? अगर है तो सदन को बताने का कष्ट करें? महोदय, मैं गृह राज्य मंत्री महोदय से यह भी जानना चाहता हूं कि जो 100 संथाली लोगों की हत्या कर दी गयी, हजारों लोग बेघर हो गए और सैकड़ों घरों में आग लगा दी गयी, इस के लिए केन्द्र सरकार के गृह मंत्रालय ने क्या कदम उठाए हैं? क्या गृह मंत्रालय को यह सूचना है कि उन लोगों की हत्या कैसे हुई, किस ने की और किस की साजिश पर हुई? अगर यह जानकारी है तो वह सदन को बताने का कष्ट करें।

महोदय, मैं बार-बार सदन में यह बात उठाता रहता हूं कि केन्द्र सरकार हमेशा असम के लोगों के साथ सौतेलेपन का व्यवहार करती रही है। मुझे अफसोस और खेद है कि जान-माल का इतना नुकसान होने के बावजूद भी केन्द्र सरकार की ओर से केन्द्र सरकार के किसी मंत्री या पदाधिकारी ने अभी तक कोई ठोस और कारगर कदम नहीं उठाया है। अतः मैं आप के माध्यम से केन्द्र सरकार को यह चेतावनी देना चाहता हूं कि असम के लोगों की उपेक्षा न देश की एकता के हक में होगी और न सरकार के हक में होगी। इसलिए जो लोग मारे गए हैं उन के परिवार को मुआवजे के रूप में दो-दो लाख रुपए की राशि शीघ्र आवंटित करने की व्यवस्था कराई जाए। धन्यवाद।

RE: ASSASSINATION IN BANGLAD-ESH OF CHAIRMAN OF TEA ASSOCIATION OF INDIA, TRIPURA BRANCH

श्री विष्णु कान्त शास्त्री (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभाध्यक्ष जी, मैं बहुत ही गहरे शोक के साथ आप के माध्यम से सदन और सरकार को यह बताना चाहता हूं कि "टी एसोसिएशन ऑफ इंडिया" की त्रिपुरा शाखा के अध्यक्ष श्री योगव्रत चक्रवर्ती की हत्या या मृत्यु 5 जुलाई, 1996 को बांग्लादेश में हो गयी, यह शोक संवाद 15 जुलाई के भारतीय समाचार पत्रों में छपा है। "टाइम्स ऑफ इंडिया" के अनुसार उन की हत्या की गयी और "द हिंदू" में छपा कि उन की मृत्यु हुई।

महोदय, मैं यह बताना चाहता हूं कि श्री चक्रवर्ती का अपहरण दो अन्य अधिकारियों के साथ उन के मैथलीबंद चायबागान से आल इंडिया त्रिपुरा टायगर्स फोर्स द्वारा किया गया था। ...(व्यवधान)

डा० अलादी पी० राजकुमार (आन्ध्र प्रदेश): अनेश्वर मिश्र जी, आप बैठिए। मेहरबानी कर के बैठिए।...(व्यवधान)..

श्रीमती रेणुका चौधरी (आन्ध्र प्रदेश): शास्त्री जी, मंत्री जो को जाना है, आप अपनी बात जल्दी कह दीजिए।

श्री विष्णु कान्त शास्त्री: यह बड़े है, मैं क्या कह सकता हूं। मैं तो प्रणाम ही कर सकता हूं।

महोदय, श्री चक्रवर्ती का अपहरण दो अन्य अधिकारियों के साथ उनके मैथिलीबंद चाय बागान से ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स, ए०पी०टी०एफ० के द्वारा किया गया था। यह दुर्घटना 6 जून, 1996 को घटित हुई। श्री चक्रवर्ती के अपहरण के बाद त्रिपुरा के तमाम चाय बागानों में हड़ताल हुई थी और त्रिपुरा सरकार से मांग की गई थी कि उनका उद्धार किया जाए। दुर्भाग्य से त्रिपुरा सरकार इस विषय में कुछ नहीं कर सकी।

उपसभाध्यक्ष महोदय, जब उनका अपहरण करने के बाद उनको बांगला देश ले जाया गया तो उनके छोटे भाई श्री शांतिव्रत चक्रवर्ती की करुण अपील पर माननीय अटल बिहारी वाजपेई ने 2 जुलाई, 1996 को भारत के गृहमंत्री माननीय श्री इंद्रजीत गुप्त को पत्र लिखकर यह अपील की कि वह अपने पद के प्रभाव का उपयोग कर श्री चक्रवर्ती और उनके सहयोगियों का उद्धार कराएं। मुझे नहीं मालूम कि भारत सरकार के गृह मंत्री महोदय ने इस दिशा में क्या किया?

महोदय, प्राप्त सूचनाओं के अनुसार श्री चक्रवर्ती की मृत्यु या हत्या 5 जुलाई को ही हो गई और जिसकी सूचना 10 दिनों के बाद हम लोगों को मिल सकी। दुर्भाग्य यह है कि अभी तक उनका शव प्राप्त नहीं हो सका है। इस दुर्घटना के संदर्भ में मैं भारत सरकार से मांग करता हूं कि बांगला देश के अधिकारियों से संपर्क कर श्री चक्रवर्ती के शव को उनके परिवार तक पहुंचाने की व्यवस्था करे। मेरी यह भी मांग है कि त्रिपुरा एवम् उत्तर पूर्व राज्यों में बढ़ती हुई आतंकवादी गतिविधियों को निर्मूल करने के लिए राज्य सरकारों को पर्याप्त सहयोग केन्द्रीय सरकार दे, जिससे कि ऐसी दुर्घटनाएं फिर न घटें। मेरा विश्वास है कि इस करुण घटना के बाद भारत सरकार कोई प्रभावी कदम अवश्य उठाएगी। धन्यवाद।

SHRI SUDHIR RANJAN MAJUMDAR (Tripura): Sir, I associate myself with Mr. Shastri.

RE: NEED TO INCLUDE COMMUNITIES OF BARBERS AND WASHERMEN IN THE LIST OF SCHEDULED CASTES

SHRI S. MUTHU MANI (Tamil Nadu): Sir, 1 wish to bring the attention of the Government towards a long-pending demand of two communities for inclusion in the list of Scheduled Castes.

Barbers, generally known as 'Maruthuvar' and washermen, known as 'Salavai Thozhilalar', are living in a pitiable condition because of their economic and social status. There are over 15 lakhs of people belonging to these two communities spread all over Tamil Nadu. Since these two are minority communities, they have to face a lot of humiliation in the society.

Dr. Kaka Kalekar Committee and Mandal Commission, both appointed by the Centre, had recommended the inclusion of barbers and wahsermen in the list of Scheduled Castes. The Tamil Nadu Government too had recommended to the Central Gvoernment the inclusion of barbers in the list of Scheduled Castes. Two former Chief Ministers of Tamil Nadu, Dr. M.G.R. and Dr. Puratch-ithaiaivi, demanded the same several times. However, so far, no action has been taken by the Centre to provide justice to these two communities.

In Tamil Nadu, barbers are known by different names like 'Ambattan', Maruthuvar', 'Kavara' and 'Mannan'. The barbers known as 'Kavara' and 'Mannan' in the southern districts have been included, ia the list of Scheduled Castes whereas the barbers known by «tber names have been left out.

Both barbers and washermen have been demanding justice through different forums. They could take to streets any time to press their demand. The Government should understand the treatment meted out to them because of the nafnre